Padma Vibhushan

DR. VYJAYANTIMALA BALI

Dr.Vyjayantimala Bali's name figures prominently in the ranks of those who have heralded the renaissance of Bharatanatyam over several decades.

2. Born on 13th August, 1933 in South India, Dr. Vyjayantimala hails from a conservative family, but one of distinguished scholarship and one that has patronized the traditional and classical art of the Thanjavur style. Her talents surfaced early in life when she danced before the Pope at the age of 5 and earned his benedictions. She performed before many eminent statesmen and dignitaries and in many International Organizations.

3. Dr. Vyjayantimala was first Indian dancer to be invited to perform at the United Nations 20th Anniversary celebrations of the Human Rights day at the General Assembly in 1969. She has also had the honour of performing at the International Opera House - Sydney, the Royal Opera Rallst Festival-Stockholm, the Holland Festival- Rotterdam and the Autumn Festival-Paris.

4. Dr.Vyjayantimala has to her credit a number of dance-dramas conceived, directed and presented by her. 'Andal Thiruppavai' Gurudev Tagore's 'Chandalika', Kavi Kunjara Bharati's 'Azhagar Kuravanji 'Sant Sakhu', 'Ekta' a multi-dimensional ballet which depicts the growth of the National Freedom Movement and 'Om Santhi Santhi Santhi' to convey the message of universal peace. Her attempt to present Sita Vislesha Thrayam from Valmiki Ramayana, Nava Vidha Rama Bhakthi from Valmiki Ramayanam, Kaisika Puranam from Varaha Puranam in dance and abhinaya form, has won much appreciation.

5. As Dr. Vyjayantimala shot into fame, the celluloid world drew her into its fold. Her very first film in Tamil AVM'S "Vazhkai" followed by Bahaar in Hindi, took cine-goers by storm. Within a decade of her film career, she emerged as the reigning queen, a super star of the film world. She played the most covetous leading roles in a series of popular Hindi films such as Nagin, New Delhi, Madhumati, Naya Daur, Ganga Jamuna, Sangam, Sadhana, Jewel Thief, Amrapali and Tamil films such as Thennilavu, Vanjikottai Valiban, Baghdad Thirudan and Parthiban Kanavu were some of the memorable hits.

6. For Dr.Vyjayantimala, politics became a means to serve her countrymen and she contested from the South Madras constituency and served two consecutive terms in the Lok Sabha in 1984 and 1989. The then President of India nominated her to the Rajya Sabha in 1993 for her contribution to the field of fine arts.

7. Dr.Vyjayantimala is the recipient of numerous awards and honours. She has been conferred Degree of Doctor of Letters (honoris causa) by Annamalai University, Chidambaram in 1995 for her contribution to Classical Art form of Bharatanatyam. The Government of India conferred on her "Padma Shri" in 1968. She has received four Filmfare Awards for Best Actress in the year 1958, 1961, 1964 and 1996 (Life Time Achivement Award). The then Hon'ble Chief Minister of Tamil Nadu, honoured her with the State Artist Award in 1979. She is the recipient of the Sangeet Natak Academy Award in 1982, Sangeet Natak Academy - Tagore Ratna Samman (Fellow) Award for Bharatanatyam in 2012 and recipient of the Lifetime Achievement Award by Pune International Flint Festival (PIFF), Pune in 2006. She received the Lifetime Achievement Award - Konark Dance and Music Festival, Konark, Odisha in 2014 and was awarded Natya Kalanidhi by ABHAI in 2014 for Bharatanatyam by preserving and promoting the art in India and abroad. In 2016, Sri Shanmukhananda Fine Arts & Sangeetha Sabha, Mumbai awarded her the Dr. M.S.Subbulakshmi Centenary Award for her contribution to Bharatanatyam. The Chief Minister of Tamil Nadu, honoured her with Bala Saraswati Award in 2019. She received the title "SARASWATHI PURASKARAM" by C.P.Ramaswami Aiyer Foundation in 2019.

पद्म विभूषण

डॉ. वैजयन्तीमाला बाली

डॉ. वैजयन्तीमाला बाली उन प्रमुख लोगों में से हैं जिन्होंने कई दशकों के प्रयासों से भारतनाट्यम का पुनरुत्थान किया है।

2. डॉ. वैजयन्तीमाला का जन्म 13 अगस्त, 1933 को दक्षिण भारत के एक रूढ़िवादी, किंतु विशिष्ट विद्वानों वाले परिवार में हुआ, जिसने पारंपरिक और शास्त्रीय कला की थंजावुर शैली का संरक्षण किया है। उनकी प्रतिभा बचपन में ही सबके सामने आई जब उन्होंने 5 वर्ष की आयु में पोप के समक्ष नृत्य किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कई प्रतिष्ठित राजनेताओं और गणमान्य व्यक्तियों के समक्ष और कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों में अपनी कला का प्रदर्शन किया है।

3. डॉ. वैजयन्तीमाला 1969 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में मानवाधिकार दिवस की 20वीं वर्षगांठ समारोह के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र में कला प्रदर्शन के लिए आमंत्रित की जाने वाली पहली भारतीय नर्तक थीं। उन्हें इंटरनेशनल ओपेरा हाउस – सिडनी, रॉयल ओपेरा रैलस्ट फेस्टिवल – स्टॉकहोम, हॉलैंड फेस्टिवल – रोटरडैम और ऑटम फेस्टिवल – पेरिस में प्रदर्शन करने का सम्मान भी प्राप्त है।

4. डॉ. वैजयन्तीमाला को कई नृत्य–नाटकों का श्रेय प्राप्त है, जो उनके द्वारा परिकल्पित, निर्देशित और प्रस्तुत किए गए हैं। इनमें 'आंदल तिरुप्पवई'; गुरुदेव टैगोर का 'चंडालिका'; कवि कुंजर भारती का 'अजगर कुरावंजी'; 'संत सखू'; राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन का विकास दर्शाने वाला एक बहु–आयामी बैले 'एकता' तथा वैश्विक शांति का संदेश देने वाला 'ओम शांति शांति शांति' शामिल हैं। वाल्मीकि रामायण से सीता विश्लेश त्रयम, और नव विधान राम भक्ति, नृत्य और अभिनय रूप में वराह पुराणम से कैसिका पुराणम को प्रस्तुत करने के उनके प्रयास की बहुत प्रशंसा की गई है।

5. जैसे–जैसे डॉ. वैजयन्तीमाला की प्रसिद्धि फैलने लगी, सेल्यूलाइड की दुनिया से उन्हें आमंत्रण मिलने लगे। तमिल में उनकी पहली फिल्म एवीएम की "वजकाई" और उसके बाद हिंदी में "बहार" ने सिनेमा दर्शकों को बहुत प्रभावित किया। फिल्म करियर शुरू होने के एक दशक के भीतर ही वह फिल्म जगत की एक सुपर स्टार बन गईं। वह नागिन, नई दिल्ली, मधुमती, नया दौर, गंगा जमुना, संगम, साधना, ज्वेल थीफ, आम्रपाली जैसी लोकप्रिय हिंदी फिल्मों में मुख्य अभिनेत्री रहीं और थेनिलावू, वंजीकोट्टई वलीबन, बगदाद थिरुदन और पार्थिबन कानवु जैसी तमिल फिल्में उनकी स्मरणीय सफल फिल्में हैं।

6. डॉ. वैजयन्तीमाला के लिए, राजनीति अपने देशवासियों की सेवा करने का साधन थी और उन्होंने दक्षिण मद्रास निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा तथा 1984 और 1989 में लगातार दो बार लोकसभा के लिए चुनी गईं। भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति ने ललित कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए 1993 में उन्हें राज्य सभा में नामित किया।

7. डॉ. वैजयन्तीमाला को कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं। शास्त्रीय कला भरतनाट्यम में उनके योगदान के लिए अन्नामलाई विश्वविद्यालय, चिदंबरम द्वारा 1995 में उन्हें डॉक्टर ऑफ लेटर्स (मानार्थ) की उपाधि प्रदान की गई है। भारत सरकार ने 1968 में उन्हें "पद्म श्री" से सम्मानित किया। सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए, उन्हें वर्ष 1958, 1961, 1964 और 1996 (लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड) में, चार बार फिल्मफेयर पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। तमिलनाडु के तत्कालीन माननीय मुख्यमंत्री ने उन्हें 1979 में स्टेट आर्टिस्ट अवार्ड से सम्मानित किया। उन्हें 1982 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, 2012 में भारतनाट्यम के लिए संगीत नाटक अकादमी – टैगोर रत्न सम्मान (फेलो) पुरस्कार और 2006 में पुणे इंटरनेशनल फ्लिट फेस्टिवल (पीआईएफएफ), पुणे द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्राप्त हुए हैं। उन्हें 2014 में कोणार्क डांस एंड म्यूजिक फेस्टिवल, कोणार्क, ओडिशा के लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया तथा भारत और विदेशों में इस कला का संरक्षण करने और बढ़ावा देने के लिए एबीएचएआई द्वारा 2014 में भरतनाट्यम के लिए उन्हें नाट्य कलानिधि से सम्मानित किया गया। 2016 में, श्री शनमुखानंद, ललित कला और संगीत सभा, मुंबई ने भारत नाट्यम में उनके योगदान के लिए उन्हें डॉ. एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी शताब्दी पुरस्कार प्रदान किया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने उन्हें 2019 में बाला सरस्वती पुरस्कार से सम्मानित किया। सीपी रामास्वामी अय्यर फाउंडेशन द्वारा 2019 में उन्हें "सरस्वती पुरस्कार" प्रदान किया गया।